टीना का क्रिसमस

जूही सिन्हा
जगदीश जोशी

SCHOLASTIC

सर्वाधिकार सुरक्षित
मूल पाठ © 2002 जूही सिन्हा
चित्र © 2002 स्कॉलास्टिक इंडिया प्रा. लिमिटेड
पहला हिंदी संस्करणः सितम्बर 2002

स्कॉलास्टिक इंडिया प्रा. लिमिटेड
29 उद्योग विहार, फेज़-I, गुड़गाँव-122016
द्वारा प्रकाशित।

स्कॉलास्टिक इंडिया भारत में स्कॉलास्टिक कार्पोरेशन की उप-संस्था है। भारत के अतिरिक्त कॅनडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, यूनाइटेड किंगडम, मेक्सिको, हांगकांग और अर्जेंटीना में भी स्कॉलास्टिक कार्पोरेशन की उप-संस्थाएँ हैं।

प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी रूप से, पुनर्मुद्रण नहीं किया जा सकता। अनुमति के लिए प्रकाशक को लिखें।

ISBN: 81-7655-156-2

मूल्यः 25 रुपये

टीना का क्रिसमस

जूही सिन्हा

चित्रांकनः जगदीश जोशी

स्कॉलास्टिक

न्यूयार्क टोरंटो लंदन ऑकलैण्ड सिडनी

मेक्सिको सिटी नई दिल्ली हांगकांग ब्यूनस आयर्स

क्रिसमस के एक दिन पहले की शाम थी। टीना रंग-बिरंगे बल्बों से सजे क्रिसमस ट्री को देख रही थी। उस पर छोटे-छोटे सुनहरे-रुपहले गोले, रंगीन रिबन और उपहारों के पैकेट भी लटक रहे थे। कितना सुंदर था वह सब!

लेकिन टीना खुश नहीं थी।

उसकी माँ ने क्रिसमस का खास केक बनाया था। उसे सफेद चीनी और क्रीम से सजाया था। वह केक टेबल पर रखा था। साथ में बिस्कुट, फल और मेवे भी रखे थे। वह बहुत अच्छे लग रहे थे और उनकी खुशबू सारे घर में फैली हुई थी।

फिर भी टीना खुश नहीं थी।

टेबल के पास एक बड़ी-सी टोकरी भी रखी थी। उसमें सब के उपहार खूब अच्छी तरह रखे हुए थे। टीना को मालूम था कि क्रिसमस के उपहार कल खोलने होंगे।

फिर भी वह खुश नहीं थी।

तभी दरवाज़ा खुला और उसकी मम्मी एक बच्चे के साथ अंदर आयी। वह रॉबिन था, टीना का मौसेरा भाई। उसके मम्मी-पापा कहीं बाहर गये थे इसलिए उन्होंने उसे क्रिसमस के लिए टीना के घर छोड़ा था। उसी को लेकर टीना परेशान हो रही थी; क्रिसमस पर रॉबिन का उनके घर आना उसे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था।

जब भी रॉबिन उनके घर आता, टीना के खिलौने ले लेता। टीना को बहुत गुस्सा आता था! और फिर वह उसकी गुड़िया को हवा में उछालता था, उसकी गाड़ी में इतनी ज़्यादा चाबी भरता था कि वह टूट ही जाती थी।

वह उसके कमरे की खिड़की से गेंद बाहर फेंक देता और उसकी पुस्तकें यहाँ-वहाँ फैला देता। इसीलिए टीना को उसका यहाँ आना बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। काश, कि सांताक्लौज़ आ कर उसे उठाकर कहीं ले जाता!

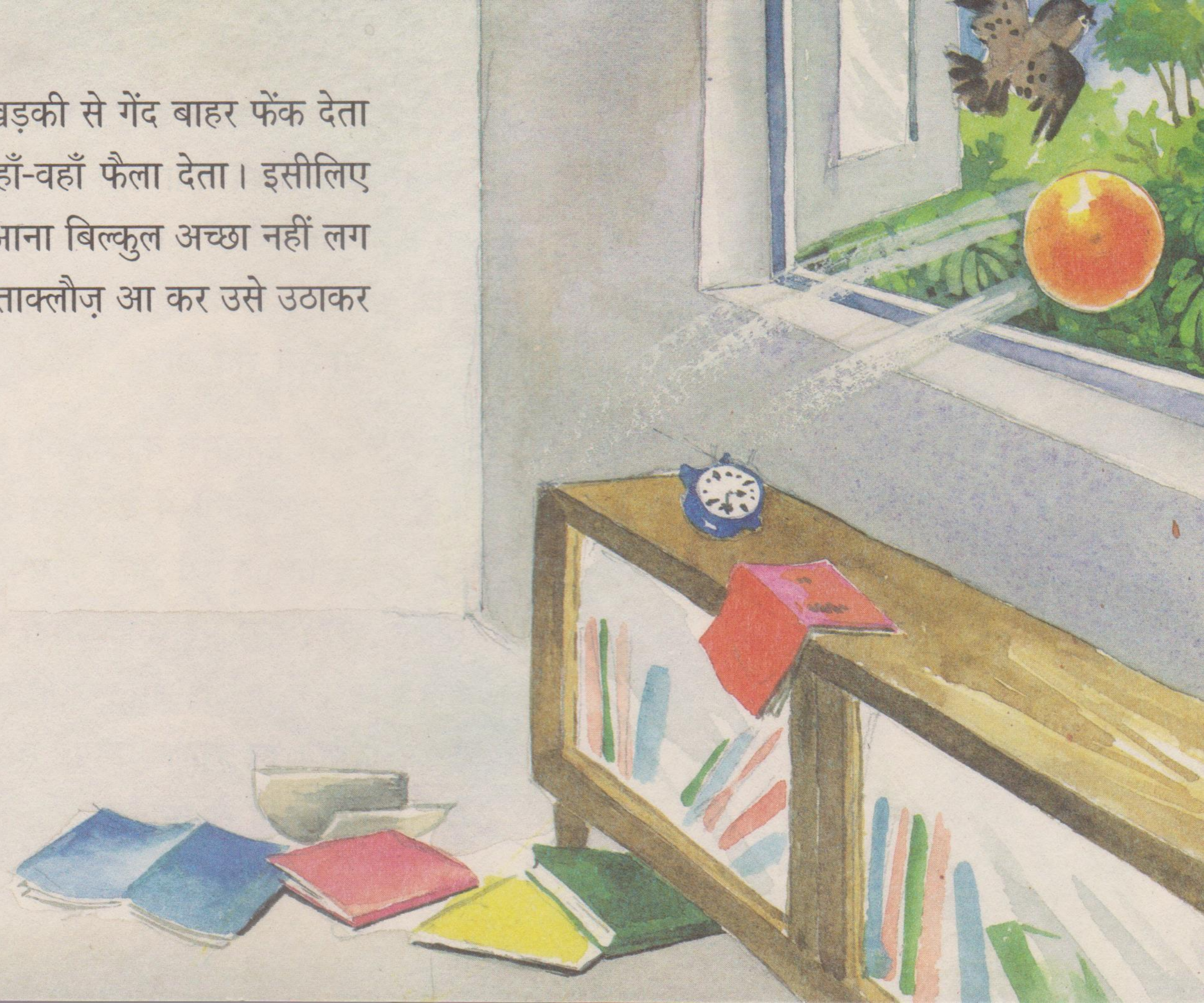

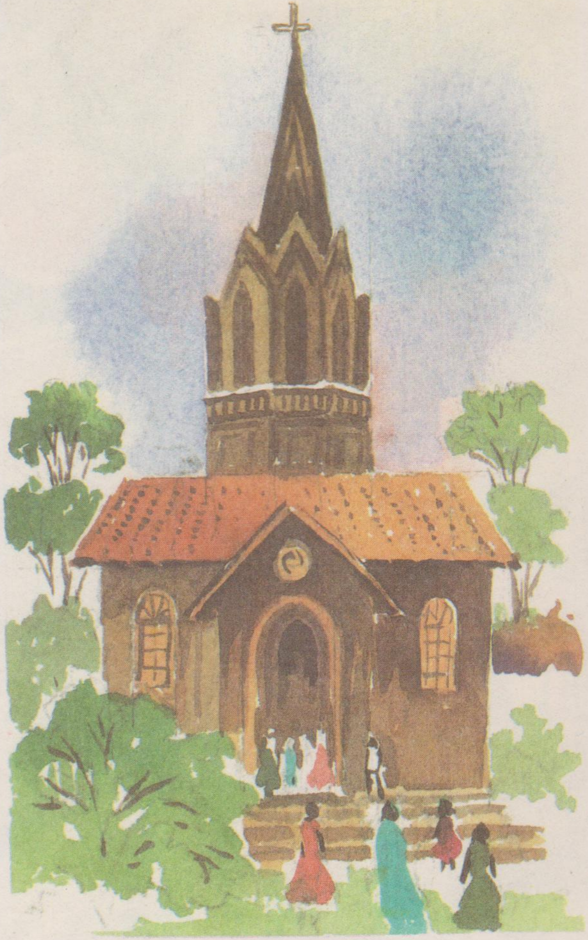

दूसरे दिन शाम को सब चर्च गये। वहाँ बीचोबीच जीज़स के जन्म की झाँकी बना रखी थी। उसमें मेरी, जोसेफ और चरवाहे बना रखे थे। साथ में भेड़, बकरियाँ और उनके बच्चे भी थी। उनके बीच छोटे पलने में छोटा-सा जीज़स धीरे से मुस्कुरा रहा था।

फादर ने उन्हें क्रिसमस की कहानी सुनायी और बताया कि जाड़े के ठिठुरते दिनों में बेथेलहम शहर के सारे कमरे भरे हुए थे। इसीलिए मेरी और जोसफ को एक अस्तबल में रुकना पड़ा। वहीं पर उनका बेटा पैदा हुआ। बड़ा होकर वही जीज़स बना और उसने लोगों को प्रेम और शान्ति का संदेश दिया। हर साल दुनिया भर में उनका जन्म दिन क्रिसमस के नाम से मनाया जाता है।

रात को घर में खाने के बाद टीना और रॉबिन सोने चले गये। लेकिन अंधेरे में टीना की नींद खुल गयी, किसी के रोने की आवाज़ आ रही थी।

वह रॉबिन था। उसने कहा कि उसे उसके मम्मी-पापा की याद आ रही थी। क्रिसमस के दिन उसे अपने घर में रहना अच्छा लगता।

बेचारा रॉबिन! टीना उसके पास गयी, उसने रॉबिन को बड़े प्यार से समझाने की कोशिश की। लेकिन रॉबिन रोता रहा।

फिर टीना जा कर अपना नया भालू ले आयी लेकिन रॉबिन रुका ही नहीं। फिर उसने उसे अपनी नयी किताब और ट्रेन का सेट दे दिया।

अब रॉबिन का रोना बंद हुआ।

''लेकिन तुम्हें तो अपने ख़िलौने मुझे देने अच्छे नहीं लगते'' उसने कहा।

''वह इसीलिए कि मुझे अपने खिलौने किसी के साथ बाँटने अच्छे नहीं लगते और फिर तुम इन्हें तोड़ भी तो देते हो!'' टीना ने कहा।

रॉबिन का मुँह फिर रोने वाला हो गया।

''लेकिन आज क्रिसमस है, तुम इन्हे ले लो'' टीना ने हँसकर कहा।

दूसरे दिन खास नाश्ते के बाद, सबने अपने अपने उपहार खोले।

टीना को एक नयी किताब मिली और बैडमिंटन के रॅकेट्स और शटल-कॉक भी। रॉबिन को एक किताब और लाल गाड़ी मिली।

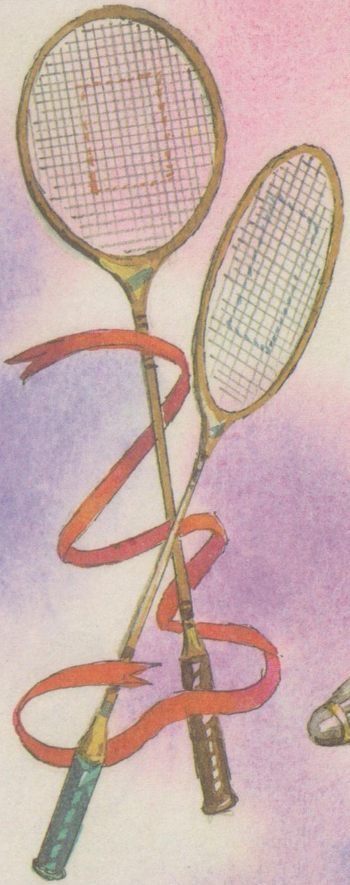

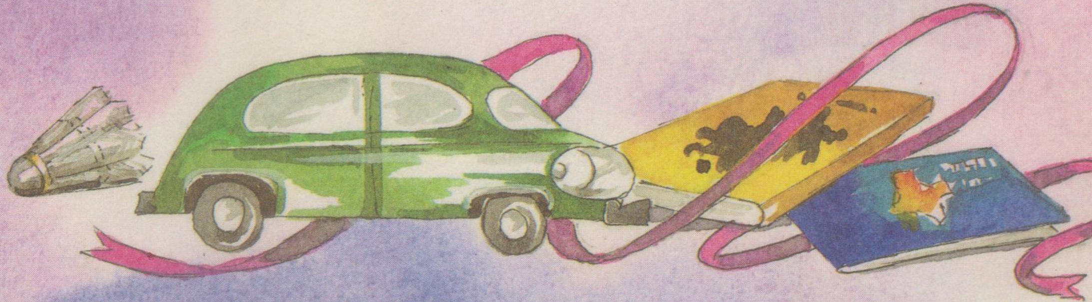

फिर टीना और रॉबिन बैडमिंटन खेलने लगे। रॉबिन के साथ खेलते टीना को बड़ा मज़ा आया। खिलौनों से साथ-साथ खेलने में कितना मज़ा है!

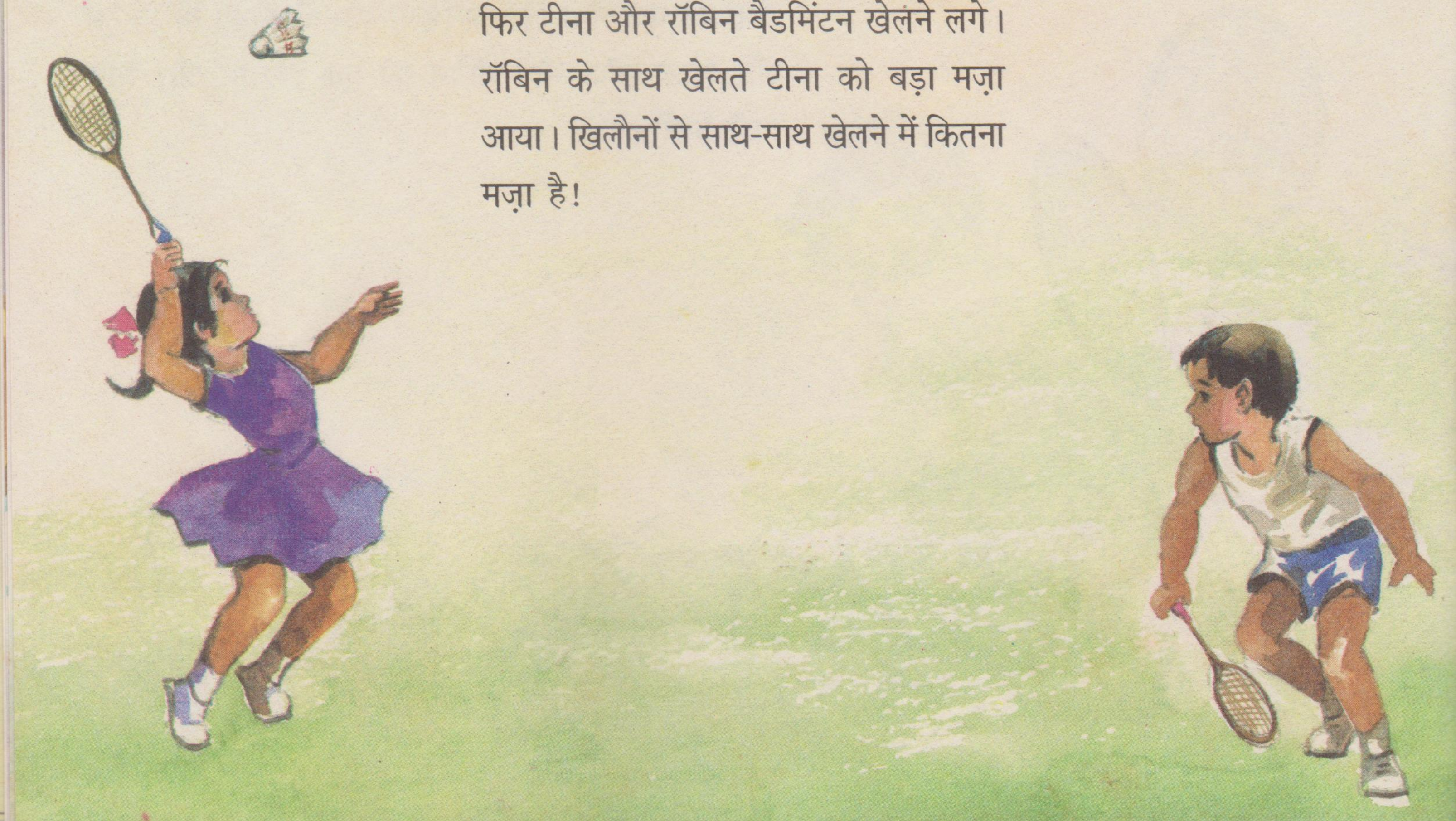

टीना का मौसेरा भाई रॉबिन क्रिसमस पर उसके घर रहने आता है। टीना को वह बिल्कुल पसंद नहीं। लेकिन उसे नहीं मालूम कि यह क्रिसमस उसके लिए खास होगा... सबसे सुंदर!

ISBN: 81-7655-156-2
मूल्य: 25 रुपये